ईरान की कमाई होगी बंद

तेल तस्करी, बैंकिंग और शिपिंग नेटवर्क पर ट्रम्प ने लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, 20 अगस्त. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर दबाव बढ़ाने का ऐलान किया है. उन्होंने कहा है कि अमेरिका ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की दिशा में आगे बढ़ेगा. जो देश या संस्थाएं ईरान को वित्तीय अथवा लॉजिस्टिक मदद देंगी, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है.

यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष छठे महीने में पहुंच चुका है और क्षेत्रीय ऊर्जा बाजार पर इसका असर बढ़ रहा है. ट्रम्प के मुताबिक अमेरिकी कार्रवाई का फोकस ईरान की आर्थिक गतिविधियों से जुड़े कई स्तरों पर होगा. इनमें तेल तस्करी नेटवर्क, वित्तीय लेनदेन, मुद्रा विनिमय, जहाजों का पंजीकरण और कथित तौर पर प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल होने वाली कंपनियां शामिल हैं. अमेरिकी रणनीति का उद्देश्य ईरान की तेल से होने वाली आय और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय पहुंच को सीमित करना है. ईरान के लिए तेल कारोबार बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक स्रोत है. ऐसे में यदि बैंक, शिपिंग कंपनियां और दूसरे कारोबारी अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से तेहरान के साथ लेनदेन कम करते हैं, तो उसकी विदेशी मुद्रा आय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर दबाव बढ़ सकता है. अमेरिका पहले भी ईरान के तेल नेटवर्क से जुड़ी कंपनियों, जहाजों और बिचौलियों पर प्रतिबंध लगाता रहा है. जून 2026 में भी अमेरिकी वित्त विभाग ने ईरानी मूल के एलपीजी को कथित तौर पर दूसरे देश के उत्पाद के रूप में भेजने वाले नेटवर्क से जुड़े लोगों, संस्थाओं और टैंकरों पर प्रतिबंध लगाए थे.

प्रतिबंधों से झुकेंगे नहीं : अराघची

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी कदम को खारिज किया है. उनका कहना है कि प्रतिबंध ईरान को झुका नहीं पाएंगे और इससे अमेरिका को ही नुकसान उठाना पड़ेगा. ईरानी पक्ष ने अमेरिकी नीति को दबाव बनाने की कोशिश बताया है. दोनों देशों के बीच बातचीत को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है. ट्रम्प ने 18 अगस्त को कहा था कि फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच कोई बातचीत नहीं चल रही है और न ही कोई वार्ता निर्धारित है, हालांकि उनके दूत जेरेड कुशनर की ओर से अलग संकेत दिए गए हैं.

अमेरिका को कंगाल बना रहा कर्ज

नईदिल्ली. अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज पहली बार 40 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है. पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी सरकार की उधारी तेजी से बढ़ी है. उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2020 के बाद देश की देनदारी में करीब 17 ट्रिलियन डॉलर और 2008 के बाद लगभग 30 ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है. कर्ज के इस बढ़ते आकार के साथ उस पर चुकाए जाने वाले ब्याज का खर्च भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है. अमेरिकी कर्ज को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि यह केवल मौजूदा सरकारी खर्च का परिणाम नहीं है. लंबे समय से बजट घाटा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर बढ़ता खर्च, स्वास्थ्य सेवाओं की लागत, रक्षा जरूरतें और अलग-अलग आर्थिक संकटों के दौरान सरकार की अतिरिक्त उधारी ने कुल देनदारी को लगातार बढ़ाया है. अमेरिका की आबादी में उम्रदराज लोगों की हिस्सेदारी बढ़ना भी सरकारी खर्च पर दबाव डाल रहा है. बड़ी संख्या में बेबी बूमर पीढ़ी के लोग रिटायर हो रहे हैं. इससे सोशल सिक्योरिटी और मेडिकेयर जैसी योजनाओं पर सरकार की जिम्मेदारी बढ़ रही है. दूसरी ओर, चिकित्सा सेवाओं की लागत और बुजुर्ग आबादी की बढ़ती संख्या भविष्य के खर्च को और बढ़ा सकती है. कर्ज बढ़ने के साथ ब्याज भुगतान भी अमेरिकी बजट का बड़ा हिस्सा बनता जा रहा है. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी सरकार प्रतिदिन करीब 3.8 अरब डॉलर ब्याज भुगतान पर खर्च कर रही है.

अगर आप वफादार हैं तो टेस्ट से दिक्कत क्यों : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 अगस्त. पुणे. तलाक के एक विवाद में बच्चे के पितृत्व परीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अहम फैसला सुनाया. जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना भालचंद्र वरले की पीठ ने उस महिला की याचिका खारिज कर दी, जिसने अपने बच्चे का डीएनए परीक्षण कराने के आदेश को चुनौती दी थी.

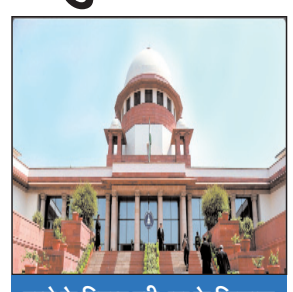

बच्चे के पितृत्व परीक्षण के खिलाफ पत्नी की याचिका खारिज

सुनवाई के दौरान अदालत ने पत्नी से सवाल किया कि अगर वह अपने वैवाहिक जीवन में वफादार रही है तो बच्चे के पितृत्व परीक्षण से आपत्ति क्यों है. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है. यह पूरा मामला महाराष्ट्र के पुणे का है. पति ने पत्नी के खिलाफ तलाक की याचिका दायर करते हुए उसके चरित्र को लेकर आरोप लगाए थे. पति का दावा था कि विवाह के दौरान पैदा हुआ बच्चा उसका जैविक बच्चा नहीं है. अपने दावे को मजबूत करने के लिए उसने पहले निजी तौर पर हैदराबाद की एक प्रयोगशाला में डीएनए जांच कराई थी. इस जांच की रिपोर्ट में उसके जैविक पिता होने की संभावना शून्य बताई गई थी.

संकट में शिंदे की शिवसेना

सुप्रीम कोर्ट बोला- हमारे पास बागियों को अयोग्य करने का अधिकार

नई दिल्ली, 20 अगस्त. शिवसेना पार्टी और चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई. इस दौरान उद्धव ठाकरे गुट की ओर से अधिवक्ता देवदत्त कामत ने दलील दी कि विधायकों को अयोग्य ठहराने का अधिकार केवल विधानसभा अध्यक्ष तक सीमित नहीं है.

विशेष परिस्थितियों में सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले में हस्तक्षेप कर सकता है. सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि 'हमारे पास विधायक को अयोग्य ठहराने का अधिकार है.' कोर्ट की इस टिप्पणी को मामले की सुनवाई के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष कामत ने कहा कि यदि विधानसभा अध्यक्ष विधायकों की अयोग्यता के मामले में निर्णय नहीं ले पाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप कर सकता है. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की अयोग्यता से जुड़े मामलों में हस्तक्षेप कर चुका है. कामत ने राजेंद्र सिंह मामले का हवाला देते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रभाव को खत्म करने की अनुमति नहीं दी जा सकती. कामत ने दलील दी कि शिवसेना मामले में सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना चाहिए कि अलग हुए गुट के विधायक दल-बदल कानून के दायरे में आते हैं या नहीं. उन्होंने कहा कि यदि यह स्पष्ट होता है कि विधायक दल बदलकर गए थे, तो चुनाव आयोग द्वारा शिंदे गुट को 'धनुष-बाण' चुनाव चिन्ह देने के लिए इस्तेमाल किए गए आधारों में से एक समाप्त हो जाएगा.

उद्धव गुट की ओर से यह भी कहा गया कि राजनीतिक दल में विभाजन की स्थिति में चुनाव चिन्ह पर अधिकार का सवाल उठता है. कामत ने दावा किया कि राजनीतिक पार्टी के तौर पर उद्धव गुट के पास बहुमत था.

अमेरिका ने संघ के खिलाफ उगला जहर

नई दिल्ली, 20 अगस्त. अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर अमेरिकी सरकार से कड़े कदम उठाने की मांग की है.

धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने उठाई बैन की मांग

आयोग के चेयरमैन आसिफ महमूद ने बुधवार को कहा कि आरएसएस के नेताओं को राजनयिक सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए. अमेरिकी अधिकारियों को उनके साथ उच्चस्तरीय बैठकें करने से बचना चाहिए. आयोग के कमिश्नर जीन मिल्स ने भी धार्मिक स्वतंत्रता के कथित उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार आरएसएस सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने की बात कही है. यह बयान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित विदेश दौरे से पहले आया है. भागवत 25 अगस्त से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की यात्रा पर जाने वाले हैं. उनके कार्यक्रम में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संवाद शामिल है. 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में वे अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग के 'यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशंस' कार्यक्रम में शामिल होंगे.

कनाडा में मिला समर्थन

कनाडा में भागवत के प्रस्तावित दौरे को लेकर अलग तस्वीर सामने आई है. 100 से अधिक संगठनों ने कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मंत्रियों को पत्र भेजकर भागवत को रोकने की मांगों को खारिज करने की अपील की है. इन संगठनों ने कहा है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र और ठोस प्रमाण तथा कानूनी प्रक्रिया जरूरी है.

जकरबर्ग के लिए मुनाफा पहले या बच्चों की सुरक्षा

जकरबर्ग का मेटा पर शिकंजा

नई दिल्ली, 20 अगस्त. मेटा अभी लगातार विवाद में बना हुआ है. कंपनी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर बड़े विवाद में घिर चुकी है.

मेटा अभी फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, मैसेंजर और थ्रेड्स जैसे प्लेटफॉर्म को चलाता है. हालांकि, इसी महीने यानी अगस्त 2026 में कंपनी से जुड़े दो बड़े मामले एक साथ सामने आए हैं. जिसकी वजह से कंपनी की परेशानी बढ़ गई है.

अगर कंपनी पर आरोप साबित हो जाते हैं. भारत में भी कंपनी हाल में विवाद में रही है. आइए, आपको आसान भाषा में पूरा मामला समझाते हैं. अमेरिका में 29 राज्यों की ओर से मेटा पर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और निजता को नुकसान पहुंचाने वाले तरीके से प्लेटफॉर्म डिजाइन करने के आरोप लगाए गए हैं.

जिन्ना की बीमारी छिपाने पर सम्मान

मुंबई के दो डॉक्टरों को पाक का निशान-ए-इम्तियाज

मुंबई, 20 अगस्त. पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की बीमारी से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखने वाले मुंबई के पारसी समुदाय के दो डॉक्टरों को पाकिस्तान के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया जाएगा.

दोनों चिकित्सकों ने जिन्ना की खराब सेहत से जुड़ी जानकारी को उस समय सार्वजनिक नहीं किया था, जब पाकिस्तान के निर्माण को लेकर राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से आगे बढ़ रहा था. इस सम्मान की घोषणा के बाद जिन्ना की बीमारी और उससे जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएं एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं. पाकिस्तान के राष्ट्रपति के प्रवक्ता नदीम इकबाल ने इस फैसले के महत्व को बताते हुए कहा कि जिन्ना की कमजोर स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी यदि सामने आ जाती, तो इसका असर 1947 में पाकिस्तान के निर्माण की प्रक्रिया पर पड़ सकता था.

जिन्ना लंबे समय से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे. ऐसे समय में उनकी चिकित्सा स्थिति को सार्वजनिक होने से बचाने में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है.

नीट परीक्षा गरीब छात्रों के लिए अनुचित

- परिसीमन और कावेरी पर शाह से भिड़े विजय
- दक्षिणी राज्यों के हितों को लेकर ने उठाए कई मुद्दे

महाबलीपुरम, 20 अगस्त. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने गुरुवार को नीट और परिसीमन के खिलाफ अपनी बात रखी. साथ ही दक्षिणी राज्यों के लिए वित्तीय न्याय की मांग की और कावेरी जल के मुद्दे पर अपना पक्ष रखा.

गृह मंत्री ने गुरुवार को तमिलनाडु के महाबलीपुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक की अध्यक्षता की. अमित शाह दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष हैं, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री इसके उपाध्यक्ष हैं. विजय ने मेडिकल कॉलेजों के लिए सेंट्रलाइज्ड नीट परीक्षा के खिलाफ मजबूत तर्क पेश करते हुए इसे गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए अनुचित बताया. तमिलनाडु ने लगातार कहा है कि नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट ग्रामीण पृष्ठभूमि और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों के छात्रों को एक अलग स्थान पर रखता है. इससे नुकसान होगा और स्कूली शिक्षा पर आधारित समावेशी पहुंच का राज्य का लंबे समय से चला आ रहा मॉडल कमजोर होगा. विजय ने केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन पर कहा कि आबादी को नियंत्रित करने की सजा के तौर पर दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो सकता है.

अमेजन ने दिया राम का नकली प्रसाद

जांच में खुलासा, फोरम ने लगाया 1 लाख का जुर्माना

लखनऊ, 20 अगस्त. भारत सरकार की एजेंसी केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अमेजन इंडिया पर राम मंदिर के प्रसाद के नाम पर धोखा देने के मामले में भारी जुर्माना लगाया है.

एजेंसी ने अपनी जांच में यह पाया है कि ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म पर साधारण मिठाई को राम मंदिर प्रसाद के नाम पर बेचा जा रहा था. अमेजन के सेलर ने राम मंदिर ट्रस्ट से भी इसको लेकर कोई अप्रूवल नहीं लिया था. ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म एक मिठाई सेल कर रहा था, जिसपर राम मंदिर प्रसाद का टैग इस्तेमाल किया था.

ऑनलाइन दुनिया में कई ऐसे सेलर हैं, जो दावा करते हैं कि वह अयोध्या राम मंदिर का प्रसाद सेल कर रहे हैं. इसके लिए वह अलग-अलग दावे भी करते हैं. यह पूरा मामला उन मिठाइयों से जुड़ा है, जिन्हें अमेजन पर राम मंदिर अयोध्या प्रसाद के नाम से बेचा जा रहा है. इन प्रोडक्ट्स को चंडू ट्रेडिंग कंपनी ने बिहारी ब्रदर्स ब्रांड के तहत बेचा था. इनमें घी के लड्डू, खोया लड्डू, बूंदी लड्डू और गाय के दूध के पेड़े शामिल थे. इन प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग और बिक्री में राम मंदिर अयोध्या प्रसाद के साथ भगवान राम के आशीर्वाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था. लेकिन इन मिठाइयों को बेचने के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से कोई प्रमाणित अनुमति नहीं ली गई थी.

एक नजर में

मां की किताब पर भावुक हुए राहुल

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी की आगामी आत्मकथात्मक पुस्तक 'अपनापन: प्यार का सफर' का कवर सोशल मीडिया पर साझा किया. उन्होंने यह पोस्ट पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर किया. संदेश में राहुल ने कहा कि उन्होंने अपनी मां को पति के निधन के बाद जीवन में आए मुश्किल दौर का सामना हिम्मत और गरिमा के साथ करते देखा है. केवल वह और उनकी बहन प्रियंका ही जानते हैं कि उनकी मां ने किन परिस्थितियों का सामना किया और परिवार के लिए क्या-क्या सहा. राहुल के मुताबिक, पिता के निधन के बाद कठिन समय में उन्होंने अपनी मां को परिवार को संभालते हुए आगे बढ़ते देखा.

दसवीं के छात्र निकले प्रिंसिपल के हत्यारे

हैदराबाद. नलगोंडा जिले में एक प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर रूपा रेड्डी की उनके घर पर हत्या के एक हफ्ते से ज्यादा समय बाद पुलिस ने उसी स्कूल के 10वीं क्लास के दो छात्रों को पकड़ा है. आरोप है कि उन्होंने रूपा की हत्या तब की जब उन्होंने उनमें से एक को अपने घर से चोरी करते हुए पकड़ लिया. 11 अगस्त को रूपा अपने घर में अकेली थीं और मृत पाई गईं. पुलिस ने बताया कि उन्हें 27 बार चाकू मारा गया था. रूपा की अपनी मौसी के साथ हुई आखिरी फोन बातचीत से एक अहम सुराग मिला. फोन बंद होने से कुछ देर पहले अपनी मौसी से बात करते हुए रूपा ने बाबू शब्द कहा था. बाबू शब्द का इस्तेमाल अक्सर छात्रों को संबोधित करने के लिए भी किया जाता है, इसलिए जांचकर्ताओं ने उनके स्कूल के छात्रों की संभावित भूमिका की जांच शुरू की.

शुद्धिकरण पर अपनों ने साथ छोड़ा, खरगे दुखी

नई दिल्ली, 20 अगस्त. शुद्धिकरण विवाद पर कांग्रेस नेताओं की चुप्पी को लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नाराज हैं. बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग में उन्होंने इसको लेकर नाराजगी जाहिर की.

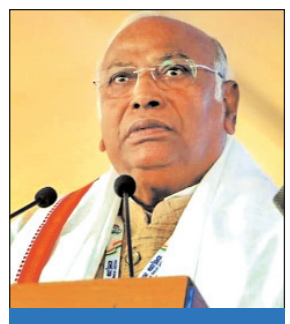

सीडब्ल्यूसी बैठक में व्यक्त की नाराजगी

कांग्रेस अध्यक्ष ने बैठक में मौजूद पार्टी नेताओं से कहा कि उन्हें इस बात से दुख हुआ है कि सीडब्ल्यूसी के कई सदस्यों ने शुद्धिकरण के मुद्दे की निंदा करके खुलकर उनका समर्थन नहीं किया. खरगे उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुई उस घटना का जिक्र कर रहे थे, जहां उनकी रैली के बाद कुछ हिंदुत्ववादी संगठनों ने उस जगह को शुद्ध किया था. हालांकि खरगे ने किसी खास नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके हाव-भाव से ऐसा लग रहा था कि वे इस मुद्दे पर कुछ वरिष्ठ नेताओं से समर्थन न मिलने से नाराज थे. खरगे ने 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में विजय शंखनाद रैली को संबोधित किया था. दो दिन बाद 10 अगस्त को एक दक्षिणपंथी समूह राम सेना ने रैली स्थल पर शुद्धीकरण हवन किया. सीडब्ल्यूसी में हुई चर्चा के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वेणुगोपाल ने शुद्धिकरण विवाद पर बात की. उन्होंने कहा कि यह घटना अस्वीकार्य और निंदनीय है और आरोप लगाया कि इससे बीजेपी की मानसिकता का पता चलता है. कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि शुद्धिकरण की रस्म निभाने वालों के संबंध बीजेपी और आरएसएस से थे और दावा किया कि इससे उनकी दलित-विरोधी मानसिकता उजागर हुई. बीजेपी ने दक्षिणपंथी संगठन को इस हरकत से खुद को अलग कर लिया और शुद्धिकरण अनुष्ठान की निंदा की. कांग्रेस प्रमुख ने मानसून सत्र के आखिरी दिन संसद में भी यह मुद्दा उठाया था.

आज का इतिहास

- **1828:** राजा राम मोहन राय ने कलकत्ता (अब कोलकाता) में ब्रह्म सभा की शुरुआत की थी.
- **1917:** महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह की सफलता के बाद सत्याग्रह आंदोलन को आगे बढ़ाने की योजना बनाई.
- **1944:** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्म हुआ था.
- **1995:** फिरोजाबाद के पास ट्रेन हादसे में 300 से अधिक लोगों की मौत हुई थी.
- **1975:** नासा ने मंगल ग्रह के लिए वाइकिंग 1 अंतरिक्ष यान लॉन्च किया था.

हस्तियों के ट्वीट

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का संदेश साफ है वोट बैंक पहले, वंदे मातरम् और राष्ट्रभावना बाद में कांग्रेस ने 1937 की तरह फिर वंदे मातरम् के केवल दो छंद गाने का फैसला कर तुष्टिकरण की राजनीति को चुना है. जिस मानसिकता ने कभी वंदे मातरम् के टुकड़े किए और द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को ताकत दी, आज वही मानसिकता संसद द्वारा पारित कानून की अवहेलना करने पर आमादा है.

देश के शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने हाल ही में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि एनटीएच कैडर के पुनर्गठन और एनटीएच की टेस्टिंग सुविधाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के मुताबिक मजबूत बनाने पर चर्चा करने के लिए उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव के साथ बैठक की. चर्चा में टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने, तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने और एंटीएच के संस्थागत ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया.

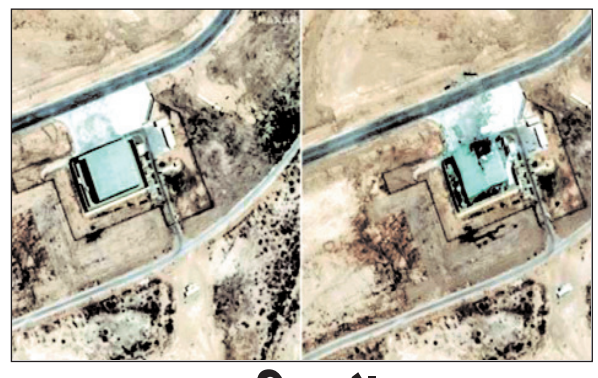

जम्मू-कश्मीर में 14 जगह बादल फटे, 4 की मौत

- सैलाब में घर, गाड़ियां और बस स्टैंड बहे
- कई इलाकों में भूस्खलन से रास्ते बंद

राजौरी, 20 अगस्त. जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश के बीच बादल फटने की कई घटनाओं ने तबाही मचा दी है.

स्थानीय जानकारी के अनुसार प्रदेश में करीब 14 स्थानों पर बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं. सबसे ज्यादा प्रभाव राजौरी जिले में देखा गया, जहां अचानक आए तेज जलप्रवाह में चार लोगों की मौत हो गई. कई मकान, वाहन और सार्वजनिक ढांचे पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गए. राजौरी के थानामंडी उपमंडल के एक इलाके में बुधवार को बादल फटने के बाद अचानक बाढ़ आ गई. देखते ही देखते स्थानीय नालों का जलस्तर बढ़ गया और पानी तेज रफ्तार से रिहायशी क्षेत्रों की ओर बढ़ा. इस दौरान कई घर क्षतिग्रस्त हुए और कुछ पूरी तरह बह गए.

प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ का असर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ा. स्थानीय जानकारी के अनुसार मुख्य बस स्टैंड को भारी नुकसान पहुंचा और पानी के तेज बहाव में कई वाहन बह गए. कई सड़कों पर मलबा जमा हो गया है. पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के कारण कुछ मार्ग भी बाधित हुए हैं. राजधानी पंचायत में नुकसान अधिक बताया जा रहा है. यहां कई मकान और कृषि भूमि भी बाढ़ की चपेट में आई.

रात के वक्त आया सैलाब

19 अगस्त की रात करीब तीन बजे से पौने चार बजे के बीच बादल फटने के बाद इलाके में अचानक बाढ़ आ गई. परिवार के लोग घर के अंदर थे, तभी नदी की तेज आवाज और पत्थरों के बहने की आवाज सुनाई दी. अब्दुल के अनुसार, हालात को देखते हुए परिवार किसी तरह मकान से बाहर निकला. इसके बाद उन्हें सरकारी स्कूल में आश्रय लेना पड़ा. उन्होंने बताया कि उनका घर पूरी तरह बह गया और परिवार का सामान भी पानी की चपेट में आ गया.

आयोजन | पीएम मोदी के जीवन के 25 साल का 'सेवा संकल्प महोत्सव'

बीजेपी का मेगा प्लान, 15 दिन चलेगा सेवा उत्सव

नई दिल्ली, 20 अगस्त. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी देशभर में 'सेवा संकल्प महोत्सव' आयोजित करने जा रही है.

यह आयोजन प्रधानमंत्री के लंबे राजनीतिक सफर और उनके नेतृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ व्यापक जनसंपर्क अभियान के तौर पर भी चलाया जाएगा. नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला था. इसके बाद से वे लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे हैं. गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में करीब 13 साल की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला. अब उनके सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के अवसर पर बीजेपी ने देशव्यापी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है. महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए पार्टी का शीर्ष नेतृत्व सक्रिय है. बीजेपी अध्यक्ष शनिवार को अभियान से संबंधित तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करेंगे. बैठक में सभी प्रदेश अध्यक्षों, संगठन महामंत्रियों, प्रदेश प्रभारियों और सह प्रभारियों को बुलाया गया है. पार्टी का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर की योजना को राज्यों और जमीनी संगठन के बीच बेहतर समन्वय के साथ लागू करना है.

राष्ट्रीय अभियान के संचालन की जिम्मेदारी बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े को राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर दी गई है. प्रत्येक राज्य में सात सदस्यीय टीम बनाई जाएगी. इसमें राज्य सरकार के एक मंत्री, संगठन के एक महामंत्री और पांच अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे. ये टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और निगरानी का काम संभालेंगी. 'सेवा संकल्प महोत्सव' करीब 15 दिनों तक चलेगा. इस दौरान स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण और स्वास्थ्य जांच जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.